Vol. Issue: 2
Issue Date: 6th April 2015
For internal circulation only.

Newsletter

Crazygreen's Umeed

Together we can !

Editorial Column

Feel happy to share that our first edition has filled all of us with such enthusiasm that instead of the idea of publishing this half yearly we are publishing it quarterly. In this edition you will find lots of major experiences which crazygreen has encountered over these months. Awareness drive for congenital (child) cataract & major tree plantation drive are few major work that crazygreen has done in past few months. I would like you to join us through our internship programme **Udaan- Giving Wings.** In this edition I tried to cover every corner of the work done by crazygreen.

Happy Reading
Anurag Seth

शहरों में एक उम्मीद पार्कों का रखरखाव

क्रेज़ीग्रीन विगत सात वर्षों से पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। इन वर्षों में चलाये गये विभिन्न कार्यों में बेहद उच्च स्तर का वृक्षारोपण किया गया। इस वर्ष क्रेज़ीग्रीन शहर के पार्कों के लिए एक वृहद योजना पर काम कर रहा है। इस योजना के प्रथम चरण का कार्य जिसमें पार्कों का सर्वे किया जाना था, लगभग पूरा हो चुका है। शहर के लगभग दो सौ पार्कों में से ज़्यादातर पार्क बदहाल हालत में हैं। इस बदहाली का ज़िम्मेदार सिर्फ़ नगर निगम या सरकारें नहीं हो सकती। एक सभ्य नागरिक होने के नाते हमारे भी कुछ कर्त्तव्य है और हमारी जागरुकता इन पार्कों को शहर के फेफड़े ही नहीं बल्कि ज़मीन में कम होते पानी के स्तर को संतुलित करने के लिए वर्षा जल संग्रहण केन्द्र भी बना सकती है। सर्वे में पार्कों की लाइट, पौधे, सफाई, पानी, चाहर दीवारी, गेट सभी चीज़ें सम्मिलित की गयी हैं। इस वर्ष सभी पार्कों में एक साथ वृक्षारोपण किया जाना है जिसके दूरगामी परिणाम सामने आएंगे। नगर निगम के युवा नगर आयुक्त श्री नीरज शुक्ला जी ने इस वृहद योजना में पूरी तरह से सहभागिता करने का आश्वासन दिया है। हमारा आप सबसे निवेदन है कि आप इस कार्य में सहभागिता करें और बदलाव की जो बयार चल रही है उसका हिस्सा बनें।

अजय सिंघल, क्रेज़ीग्रीन

What People Talk . . .

Payal Verma, a teacher at Udaan, shared her views about her experiences at Udaan:

Volunteers are needed here

I work at Udaan not as an employee but as a volunteer as one needs to be very patient especially when the students are from such background. Since one and a half year I have been associated with Udaan and I have seen improvement as students have now started attending regular class.

New Ideas always welcome

During internship program many new volunteers came to teach these kids. They come up with new ideas which inspire not only students but also the teachers at Udaan. This kind of freshness is always needed here at Udaan.

Education is the Weapon

Our society is lacking in many ways she feels! The only weapon to tackle any social problem is to educate each and every person in the society. She is glad to be the part of such education revolution and wish there should be more schools like Udaan.

'उड़ान' आकर हमें अपनी समर्थता का अहसास होता है।
रजनी अरिमर्दन सिंह, उड़ान

छोटे बच्चों को कूड़ा बीनते देख बुरा लगता है। इनके लिए कुछ करने की इच्छा होती है।
आदित्य, उड़ान

It was a great experience for all of us to invite Udaan at our Institute.
Saurav
Student, IIT Roorkee

Include these children to make crafts and art materials to generate funds for the betterment of the institute.
Vipin Kumar Jain

पंख

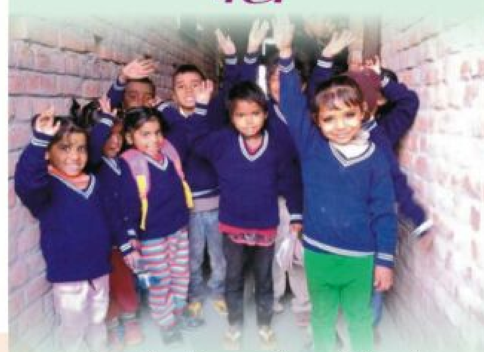

उड़ने का मौका मिला पर पँख कहाँ से लाऊँ।।
दो शब्दों की बात हैं प्यारे तुझको कैसे समझाऊँ।।
मेरा पप्पू अब तो जाता है स्कूल।
सफेद शर्ट और नीली पेंट में लगता है कूल।।
पढ़ा-लिखा के उसको मैं एक दिन कामयाब बनाऊँगा।।
अपने पप्पू को तो मैं एक दिन लैपटॉप दिलवाऊँगा।।
देख ले प्यारे तू भी अब अपनी बिटियों को पँख दिला ।।
भेज स्कूल उसको तू और एक नया पाठ सिखला।।

सुनील कुमार, उड़ान

Happy Birthday : Green Birthday, Healthy Birthday!

A birthday is a celebration day with our loved ones and we do celebrate every year just for leisure, enjoyment and we make ourselves happy with materialistic things like gifts and party all together. It means a lot to all of us once in a year but meanwhile we hurt our nature parallel. What about the happiness we created, it lasts for few minutes or few hours or till the midnight of the same day.

We get lots of gifts from relatives and friends; also we give them some sort of return gifts as a token of remembrance and love. And they feel great instead.

Do we think about NATURE?

Yes, nature which plays main role in our upbringing since birth, but we never try to give anything back to it for the sake of balance.

Just a day before my last birthday, a crazy man called me up to reach at Company Bagh with family and I went there on next day early in the morning. Guess what, I saw there Sir Ajay Singhal with his Udaan Family waiting for me with tall trees for plantation and they wished me "Happy Green Birthday!".

It was mind blowing feel and it made me feel real happiness and responsible for the nature on that special day of my life and we planted number of trees altogether and enjoyed with endless joy and the tags we got "CRAZY People" or "Crazygreens" from the people who were walking through.

It is also said by the elders, "To give life to someone is the most precious gift anybody can afford." And that healthy vibration is still beating in my heart which can be seen through my eyes with happiness of being crazy for the nature.

In such surprizing fashion we Crazygreens planted more than 50 trees at five different locations on birthday of Divya Bajaj, Ajay Singhal, Sarthak Dhamija, Sunil Kumar, Sristi Jain in last four months only and we are planning more such drives soon. Recently on the foundation day of Udaan, we planted rose saplings through students in school premises only. It was such an inspirational evening for all the students.

Although it's my personal experience but on the top of such happiness and craziness, it's my privilege to share it with you all. I wish, you all people will definitely celebrate your birthday with more craziness like us and will share your experiences.

Ajay Kumar Gulati, Volunteer, Crazy green

ख़ुशनुमा सफ़र

'पटाखे पर्यावरण के दुश्मन है'
निबन्ध प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण।

नगर शांति समिति द्वारा उड़ान को सम्मानित करते हुए डीएम और एसएसपी

उड़ान के बच्चो के लिए
स्पिकमैके द्वारा आयोजित नृत्य वर्कशॉप

जूड़ों की शिक्षा लेते उड़ान के बच्चे

सेंट थॉमस चर्च एवं ब्रिटिश सिमेटरी भ्रमण करते हुए उड़ान छात्र एवं स्वयं सेवक।

होली मनाते हुए उड़ान के बच्चे एवं स्वयं सेवक

World of Happiness

Entranced in labyrinths of life, a road takes me to a green gate and two storey building. Unaware about the pandora of happiness stored in for me , I enter into the world of sheer delight. Udaan , a world of small family with towering motives and unflinching courage has made it possible. A possibility to revive humanity, to spread smile , and to erudify the 'special blessed ' lot of God. Pruning off the time ledger and keeping at bay the shackles of religion, every individual of Udaan family works in solidarity of exemplary communion. Being the custodian of moral values they take upon them the responsibility to empower, educate, and provide wings of belief to the 'special blessed' lot .

Readers, in the world of material race, Udaan is the temple of sharing and learning the priceless experiences. Come and join us to enrich yourself with the aesthetic joys of life. The joys, which require your innate potential not your money, your heart not your mind. For this is the place where your services will provide an emotional anchor to many. Happiness being the essential component of Udaan will invite you:

"Happiness whispers in your ears
take me to Udaan,
where I will meet my peers.
Rejoicing in classes,
ABC 123,
I will sit down on dancing grasses.
Let me embrace you,
to the point of ecstasy,
through and through..."

So come and fill the pockets of your heart to the brim. Let you be a wing of Udaan to help our 'special blessed lot' in taking off the flight of his aspirations .

Simranjeet Singh, Intern, Udaan Giving Wings

कूड़े के ढेर में टुकड़े की तलाश

सूरज की किरण से पहले दिनचर्या की तलाश में इन बच्चों को कूड़े के ढेर में काम करते हुये दिख जाना एक आम बात है।

अच्छे घरों में सोकर, अच्छे कपड़े पहनकर और अच्छा खाना खाकर हम कितनी आसानी से यह कह देते है कि ज़िन्दगी बहुत मुश्किल है यार।

मैं बहुत हैरान हूँ इन बच्चों को देखकर जो कूड़े के ढेर में काम करते है और अपने लिये दो वक़्त की रोटी का इंतज़ाम करते हैं। लेकिन फिर भी ये कभी भगवान से इसकी शिकायत नहीं करते बल्कि हँसते है और हर बात पर खिलखिलाते है, गन्दे कपड़े भी इनकी खुशी में रुकावट नहीं डाल पाते।

आज मैं समाज से ये प्रश्न पूछना चाहता हूँ कि क्यों हम इन्हें देखकर बहुत अजीब या बदबु का अहसास होने जैसी शक्ल बनाकर निकल जाते है? आख़िर यह अधिकार हमें दिया किसने? कितनी अजीब बात है ना कि हमें सभ्य समाज का दर्जा दिया गया है लेकिन हमें कोई फर्क़ नहीं पड़ता कि कैसे किसी की ज़िन्दगी तिनका-तिनका बिखर रही है, कैसे बेहद सिमित संसाधनों में लोग घुटे जा रहे है।

सर्दियों में जब शायद मैंने तीन गर्म कपड़ें पहने हुये थे फिर भी मैं ठिठुर रहा था, तब इन बच्चों को सिर्फ़ एक शर्ट या टी-शर्ट में देखना बहुत ही शर्मनाक था। इनसे पूछे जाने पर कि कपड़े क्यों नहीं पहने है? सिर्फ़ एक ही जवाब मिलता था, जब कपड़े है ही नहीं तो कैसे पहने?

यही इस प्रश्न का जन्म हुआ आखिर हम सभ्य कैसे हुये, क्या यही परिभाषा है सभ्यता की, कि हमारे घरों में पुराने कपड़ों का ढेर पड़ा हुआ सड़ रहा है मगर हम उसको किसी को दे नहीं रहे है। समय के साथ-साथ हमने पैसा तो बहुत जोड़ा और अमीर होते गये मगर अफ़सोस कि हमारी सोच बेहद गरीब होती गई। कब तक हम पुराने कपड़ों के बदले घरों में बर्तन लेते रहेंगें। अगर सब कुछ ईश्वर ही करते है, अगर वही सृष्टि के रचियता है तो मैं विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि उसने सभी के लिये समान मात्रा में वायु, पानी और अन्य पदार्थ बनाये होंगे, सभी को एक समान अधिकार दिये होंगे।

क्यों हम संवेदना शून्य हो गये? क्यों इस तरह के हालात स्थापित हो गये कि इन्हें दिनचर्या की तलाश कूड़े के ढेर में करनी पड़े। क्या हमें इन हालातों से कोई फर्क़ नहीं पड़ना चाहिये? अगर नहीं तो शायद हम इंसान कहलाने के लायक भी नहीं है।

आओं मिलकर हालातों को बदलने का प्रयास करें। घने अंधकार में कुछ दीपक प्रकाश फैलाने का प्रयास कर रहे है, आवश्यकता है नकारात्मकता के थपेड़ों से उन्हें बचाने की।

जीवन को बदलती हुई संस्था क्रेज़ीग्रीन के यज्ञ में एक आहुति हम भी डालें। समाज के विभिन्न वर्गों की सेवा के उद्देश्य से चलाऐ जा रहे विभिन्न कार्यों का हिस्सा बनिये। जब हम सभी मिलकर हालातों को बदलने का प्रयास करेंगे तो निश्चित ही बदलाव आयेंगे। शायद मनुष्य होने का ऋण तभी उतर पायेगा।

अभिनव कन्नोजिया, उड़ान

'Udaan-Giving Wings'

Internship Program

Do you love children & want to make change in their life?

Udaan is a project of Crazygreen which aims to reform the society by providing education to slum kids.

Two weeks Certificate Program

Contact for Registration: 8057282801, 8650919014
email: udaangivingwings@gmail.com

CRAZYGREEN
Environment, Health and Education

Crazygreen has been working in the field of environment, health and education since many years. There is a lot to describe about the work done by crazygreen. The dream which was given wings several years back-**Udaan** is to integrate the underprivileged children to the main stream of the society but the experiences are beyond our imagination. It is the joint efforts and active participation of our team and the volunteers that made it possible to initiate activities like Major Park Survey and starting OPD at Roshni Eye Bank.

Any effort is a waste until it creates an impact. Here's a bird-eye view of the achievements so far **focusing primarily on the recent activities (Last 3 Months):**

- Organised Eye Checkup Camp at Roshni Eye Bank, Janta Road, Saharanpur.
- Initiated tree plantation drives on birthday- Green Birthday (Company Garden, Preet Vihar Colony etc.).
- Starting of OPD at Roshni Eye Bank (equipped with instruments like autorap).
- Major Park Survey in the city (around 200 parks).
- Awareness drive for child cataract.
- Initiated classes of judo, theatre, stiching for the students of Udaan.
- Udaan kids performed at IIT Roorkee- Saharanpur campus.
- Udaan kids performed at Railway Institute on world theatre day.
- New Admission of more than 12 slum kids to govt. school (Last year results- 2 kids got 1st position 1, got 2nd position & 1 got 3rd position in their classes).
- Eye checkup camp at Village Haretti with paschami Uttar Pradesh Vyapar Mandal.
- An average of 750 patients per month get benefit from Udaan Dispensary.

Lalit Saini, Volenteer Crazygreen

रोशनी आई बैंक एवं धर्मार्थ नेत्र चिकित्सालय

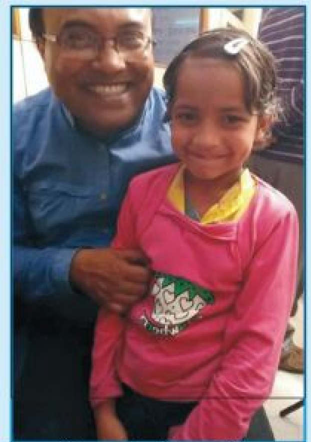

आँखे प्रकृति की अनमोल देन हैं। क्रेज़ीग्रीन पिछले चार वर्षों से अपनी सहयोगी संस्थाओं आश्रय फाउंडेशन एवं आई क्यू हॉस्पिटल के साथ मिलकर अंधता निवारण पर ठोस कार्य कर रहा है। इस कार्य को गति देने के लिए 25 जनवरी 2015 से जनता रोड पर एक धर्मार्थ नेत्र चिकित्सालय शुरू किया गया है। नेत्र दान पर श्री अशोक जैन द्वारा किए गए अतुलनीय कार्य को आगे बढ़ाते हुए रोशनी आई बैंक को एक नेत्र चिकित्सालय के रूप में भी स्थापित किया जा रहा है। **मात्र बीस रुपए परामर्श शुल्क एवं मूल्य के पचास प्रतिशत पर सभी दवाऐं दी जा रही हैं। भविष्य में इस अस्पताल में ऑपरेशन सुविधा भी शुरू करने की योजना है। क्रेज़ीग्रीन द्वारा बच्चों में मोतिया बिन्द पर जागरुकता अभियान भी चल रहा है।** जिसके अन्तर्गत बारह साल से छोटे नेत्रहीन बच्चे का नि:शुल्क इलाज कराया जाएगा और यदि बच्चे की रोशनी वापस नहीं आ सकती तो उसकी नि:शुल्क शिक्षा की व्यवस्था की जाएगी। **आप लोगों से अनुरोध है कि आप इस कार्यक्रम में सहयोग करें और किसी भी नेत्रहीन बच्चे की सूचना हम तक पहुचाऐं।**

कविता कर्णवाल, उड़ान

Special Thanks

Aashray Foundation, Vadodara
Goonj, Delhi
Bhartiya Netraheen Vidhyala, SRE
Muskan Jyoti, Saharanpur
Bharat Vikas Parishad Rudraksh, SRE
Roshni Eye Bank, SRE
R. P. Gupta Memorial Charitable Trust, SRE
Pragati Welfare Society, Saharanpur
Lioness Club, Saharanpur
Rotary Club, Saharanpur
Art of Living, Saharanpur
SPICMACAY, Saharanpur
Rotaract Club, Saharanpur
Officers Club, Saharanpur

THE ART OF LIVING

DIVINE SHOP & ORGANIC FOOD PRODUCTS

वैध द्वारा निःशुल्क परामर्शः प्रातः 7 से 8 एवं अपरान्ह 12 से 3

The Divine Shop, Deepak Plaza, Dehradun Chowk, Saharanpur, Mob.: 9927004373

Contact:

उड़ान बाल एवं प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र
UDAAN CHARITABLE DISPENSARY

Link Road, Saharanpur - 247001 (U.P.)
Mobile: +91-9634200601, +91-8449000600
Website: www.panchtatva.in Blog: Antarmann
Email: udaangivingwings@gmail.com, info@panchtatva.in
find us on
Registered Office (Crazygreen): 64, Bhagwati Colony, Behat Road, Saharanpur